गोमूत्र से भोजशाला परिसर का शुद्धिकरण, विधि विधान से पूजन

- मां वाग्देवी का चित्र सहित अंखड ज्योति को गर्भगृह में स्थापित किया

संजय बाजपेई

धार. शहर धार में स्थित भोजशाला को लेकर पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) द्वारा जारी की गई नई गाइडलाइन के बाद आज एक नया इतिहास रचा गया.

नई व्यवस्था के तहत अब हिंदू समाज को बिना किसी रोक-टोक के साल के 365 दिन पूजा करने का अधिकार मिल गया है. रविवार सुबह सूर्योदय होते ही हिंदू समाज और भोज उत्सव समिति के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भोजशाला परिसर पहुंचे. भोज समिति के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं ने मां वाग्देवी (देवी सरस्वती) का भव्य तैल चित्र लेकर परिसर में प्रवेश किया. भोजशाला में प्रवेश करते ही सबसे पहले सनातन परंपरा के अनुसार पूरे परिसर को गो-मूत्र छिड़ककर शुद्ध किया गया. इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार और शंखध्वनि के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना की शुरुआत हुई.

उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसपी सचिन शर्मा ने बताया कि पिछले चार-पांच दिनों से पूरे क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात है. सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा तैयार किया गया है. जिसमें संवेदनशील और प्रमुख स्थानों पर स्थायी पुलिस बल तैनात किया गया है. पुलिस के वाहन लगातार क्षेत्र में गश्त (पेट्रोलिंग) कर रहे हैं. इलाके की ऊंची इमारतों पर भी पुलिस जवानों को तैनात किया गया है, ताकि हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा सके. सभी आम नागरिकों से अपील है कि वे आपसी भाईचारा, शांति और सौहार्द बनाए रखें. प्रशासन नियमों का पालन कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है. यदि कोई भी व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करता है या शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश करता है, तो उसके खिलाफ कानून के तहत कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

आकर्षक रंगोली और अखंड ज्योत की स्थापना: इस विशेष अवसर के लिए भोजशाला के गर्भगृह को रंग-बिरंगी और आकर्षक रंगोलियों से बेहद खूबसूरती के साथ सजाया गया था. एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, भोजशाला परिसर के बाहर स्थित ज्योति मंदिर की 'अखंड ज्योत' को भी पूरे सम्मान के साथ गर्भगृह के भीतर लाकर स्थापित कर दिया गया. मां वाग्देवी के चित्र की स्थापना के दौरान वहां मौजूद जनसैलाब का उत्साह देखते ही बनता था. परिसर 'जय श्री राम' और 'मां वाग्देवी की जय' के जयकारों से गुंजायमान हो उठा. इस ऐतिहासिक पल की खुशी में महिलाओं और युवाओं ने पारंपरिक नृत्य कर अपनी प्रसन्नता जाहिर की.

प्रशासनिक अमला भी मुस्तैद : इस धार्मिक अनुष्ठान की संवेदनशीलता और महत्ता को देखते हुए प्रशासनिक अमला भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया. धार कलेक्टर राजीव रंजन मीणा और एसपी सचिन शर्मा खुद सुबह से ही मौके पर मौजूद रहे. अधिकारियों ने न केवल सुरक्षा और कानून व्यवस्था का जायजा लिया, बल्कि खुद भी पूजन प्रक्रिया में शामिल होकर मां वाग्देवी की आराधना की. भोज उत्सव समिति के महामंत्री सुमित चौधरी के अनुसार, सुबह से शुरू हुआ देवी अनुष्ठान और शुद्धिकरण का कार्य निरंतर जारी है. दोपहर ठीक 11.45 बजे हिंदू समाज की ओर से एक भव्य महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग मौजूद रहे.

फहराया ध्वज: महाआरती के बाद केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ध्वजारोहण के लिए भोजशाला के गुंबद की ओर गईं, लेकिन गुंबद पर सुरक्षा के लिहाज से कांटेदार तार लगे होने के कारण मंत्री ठाकुर ने सीढ़ियों पर लगे दरवाजे पर ही ध्वज की पूजा-अर्चना कर ध्वजारोहण किया. मंत्री सावित्री ठाकुर के अनुसार किसी भी मंदिर के शिखर पर ध्वज लगाना महत्वपूर्ण होता है, लेकिन कांटेदार तारों के कारण हमने छत की ओर जाने वाले गेट पर ध्वज फहराया है. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहले शुक्रवार के दिन यहां तनाव की स्थिति रहती थी, लेकिन अब स्थिति सामान्य हो गई है और श्रद्धालु कभी भी दर्शन कर सकते हैं.

स्टे की बाधा के बीच एलिवेटेड ब्रिज के भूमिपूजन की तैयारी

- सिंहस्थ से पहले 18 माह में पूरा करने का लक्ष्य
- व्यापारी बोले कितनी बार देंगे जमीन
- अधिकारी बोले सिंहस्थ के लिए जरूरी

नवभारत न्यूज

उज्जैन. सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए शहर में प्रस्तावित दो एलिवेटेड ब्रिजों को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं. उच्च न्यायालय में मामला लंबित होने और स्थगन आदेश लागू होने के बावजूद अधिकारियों ने भूमि पूजन की प्रारंभिक तैयारियां शुरू कर दी हैं. अब जैसे ही स्थगन आदेश हटेगा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हाथों भूमि पूजन कर निर्माण कार्य प्रारंभ किए जाने की योजना है. समय कम है काम ज्यादा है इसलिए अधिकारियों ने पूरी ताकत झोंक दी है.

टू लेन और फोरलेन दो शाखा: लोक निर्माण विभाग की तकनीकी शाखा का कहना है कि परियोजना पूरी तरह स्वीकृत है, निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और कार्य प्रारंभ करने के लिए एजेंसियां तैयार हैं. प्रशासन का लक्ष्य है कि निर्माण शुरू होने के बाद मात्र 18 माह में चार लेन और दो लेन वाले दोनों एलिवेटेड ब्रिज तैयार कर लिए जाएं, ताकि सिंहस्थ 2028 से पहले उज्जैन की यातायात व्यवस्था को नया स्वरूप मिल सके.

945 करोड़ से अधिक की स्वीकृति: राज्य शासन और मंत्रिपरिषद ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए 945.20 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है. योजना के अंतर्गत कुल 5.32 किलोमीटर लंबा ऊपरी मार्ग नेटवर्क विकसित किया जाएगा.

चिमनगंज मंडी से इंदौर गेट, और निकास तक: पहला चार लेन का मार्ग चिमनगंज मंडी चौराहे से प्रारंभ होकर इंदौर गेट तक पहुंचेगा. दूसरा दो लेन का मार्ग निकास चौराहे से इंदौर गेट तक बनाया जाएगा. इंदौर गेट पर लगभग 10 मीटर ऊंचाई पर एक विशाल जंक्शन तैयार किया जाएगा, जिससे विभिन्न दिशाओं से आने वाले वाहनों का आवागमन सुगम हो सके.

मेट्रो की भी प्लानिंग: परियोजना की विशेषता यह भी है कि इसके स्तंभों की संरचना भविष्य में मेट्रो रेल जैसी सुविधाओं को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है. प्रत्येक स्तंभ लगभग 60 से 70 मीटर की दूरी पर स्थापित किया जाएगा.

सिंहस्थ के लिए अलग मार्ग : अधिकारियों के अनुसार सिंहस्थ के दौरान करोड़ों श्रद्धालु, साधु-संत और पर्यटक उज्जैन पहुंचेंगे. ऐसे में शहर के भीतर और बाहर के यातायात को अलग-अलग मार्गों से संचालित करना आवश्यक है. एलिवेटेड ब्रिज बनने के बाद स्थानीय रहवासी और दैनिक यात्री ऊपरी मार्ग का उपयोग कर सकेंगे, जबकि बाहरी क्षेत्रों से आने वाला सिंहस्थ यातायात अलग मार्गों से संचालित किया जाएगा.

जाम से मिलेगी मुक्ति : इससे महाकाल मंदिर क्षेत्र, रेलवे स्टेशन, इंदौर रोड और प्रमुख बाजारों में लगने वाले जाम से राहत मिलने की उम्मीद है. प्रशासन का मानना है कि धार्मिक पर्यटन को भी इससे बड़ा लाभ मिलेगा और श्रद्धालु बिना अधिक समय गंवाए गंतव्य तक पहुंच सकेंगे.

व्यापारियों की चिंता, कितनी बार देंगे जमीन: दूसरी ओर शहर के व्यापारियों और प्रभावित नागरिकों में असंतोष भी दिखाई दे रहा है. उनका कहना है कि वर्ष 2004 में महाकाल मार्ग परियोजना, वर्ष 2016 के सिंहस्थ और अब 2028 की तैयारियों के लिए बार-बार उनकी भूमि और प्रतिष्ठानों पर प्रभाव पड़ रहा है.

हाई कोर्ट की शरण में व्यापारी: व्यापारियों का तर्क है कि बाजार क्षेत्रों में निर्माण कार्य और स्तंभों की स्थापना से पुराने व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा. कई व्यापारिक संगठनों ने इस संबंध में आपत्तियां दर्ज कराते हुए न्यायालय की शरण ली है. उनका कहना है कि विकास आवश्यक है, लेकिन इसके साथ प्रभावित लोगों के हितों की रक्षा भी उतनी ही जरूरी है.

स्थगन हटते ही शुरू होगा काम

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार न्यायालय में प्रस्तुत आपत्तियों का जवाब दिया जा चुका है और स्थगन आदेश हटने की स्थिति में भूमि पूजन के तुरंत बाद निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा. अधिकारियों का विश्वास है कि यह परियोजना उज्जैन के यातायात का स्वरूप बदल देगी और सिंहस्थ 2028 के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.

कोर्ट पर टिकी निगाहें

विकास और विरोध, दोनों के बीच ब्रिज अटका हुआ है. उहापोह बनी हुई है. एक ओर प्रशासन इसे उज्जैन के भविष्य और सिंहस्थ की आवश्यकता बता रहा है, तो दूसरी ओर व्यापारी अपने अस्तित्व और आजीविका को लेकर चिंतित हैं. अब सभी की निगाहें उच्च न्यायालय के निर्णय पर टिकी हुई हैं.

15 शहरों में पारा 43 पार

एमपी में भीषण गर्मी और लू का कहर

भोपाल में तापमान 42 .4 डिग्री

इंदौर, 17 मई . मध्यप्रदेश में मौसम ने अचानक करवट बदल ली है. कुछ दिन पहले तक जहां आंधी-बारिश और ठंडी हवाओं से लोगों को राहत मिल रही थी, वहीं अब प्रदेश भीषण गर्मी और लू की चपेट में आ गया है.

रविवार को प्रदेश के 15 शहरों में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया. जिसमें प्रदेश के कई हिस्सों में पारा 43 डिग्री से 45 डिग्री के बीच बना हुआ है. इन गर्म शहरों में खंडवा सबसे गर्म रहा है, जहाँ अधिकतम तापमान लगभग 45.1 डिग्री तक पहुंच गया है. मौसम विभाग ने कई जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है.

राजधानी भोपाल में रविवार को तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण दोपहर के समय न्यू मार्केट, बिट्टन मार्केट और पुराने शहर के बाजारों में सामान्य दिनों की तुलना में कम भीड़ दिखाई दी. लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकले. सड़कों पर दोपहर के समय सन्नाटा नजर आया और लोग छांव व ठंडे स्थानों की तलाश करते दिखे.

मौसम विभाग के मुताबिक खंडवा, खरगोन और रतलाम में तीव्र लू का सबसे ज्यादा असर रहेगा. इसके अलावा इंदौर, उज्जैन, धार, झाबुआ, बड़वानी, अलीराजपुर और बुरहानपुर समेत कई जिलों में गर्म हवाएं लोगों की परेशानी बढ़ाएंगी.

वहीं भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, शिवपुरी, श्योपुर, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल और छिंदवाड़ा सहित कई जिलों में भी हीट वेव का असर बना रहेगा. मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार मई के पहले पखवाड़े में प्रदेश में लगातार बारिश, आंधी और ओलावृष्टि का दौर चला था. 30 अप्रैल से 15 मई तक कई मौसम प्रणालियां सक्रिय रहीं, जिससे तापमान नियंत्रित रहा. लेकिन अब वेस्टर्न डिस्टरबेंस और साइक्लोनिक सिस्टम कमजोर पड़ने के बाद गर्मी ने अचानक रौद्र रूप धारण कर लिया है. विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है.

एयर एम्बुलेंस : गंभीर मरीजों के लिए नई उम्मीद

दूरी, संसाधनों और आर्थिक अभाव को दूर कर सुनिश्चित किया जा रहा जीवनरक्षक उपचार

140 मरीज अब तक हो चुके हैं लाभान्वित

भोपाल, 17 मई. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक सुलभ, त्वरित और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है.

आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण तथा दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर उपचार की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा कई नवाचार किए जा रहे हैं. इसी क्रम में मई 2024 से प्रदेश में 'पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा' प्रारंभ की गई, जो आज गंभीर रूप से बीमार, दुर्घटना प्रभावित एवं आपदा पीड़ित मरीजों के लिए जीवनरक्षक पहल के रूप में स्थापित हो रही है.

सरकार द्वारा प्रारंभ की गई यह महत्वाकांक्षी सेवा उन परिस्थितियों में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है, जब मरीज को 'गोल्डन ऑवर' के भीतर उच्च स्तरीय चिकित्सा संस्थान तक पहुंचाना आवश्यक होता है. सेवा के अंतर्गत एक हेलीकॉप्टर एम्बुलेंस तथा एक फिक्स्ड-विंग कन्वर्टेड फ्लाइंग एम्बुलेंस को प्रशिक्षित चिकित्सकीय और पैरामेडिकल टीम के साथ संचालित किया जा रहा है. यह व्यवस्था राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित मानकों और आपातकालीन चिकित्सा प्रोटोकॉल के अनुरूप कार्य कर रही है. एयर एम्बुलेंस के माध्यम से कम समय में उन्नत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है. इससे मरीजों की जान बचाने की संभावनाएं उल्लेखनीय रूप से बढ़ी हैं. प्रदेश सरकार द्वारा यह सुनिश्चित किया गया है कि आर्थिक अभाव किसी भी मरीज के उपचार में बाधा नही बने.

संवेदनशील और सशक्त स्वास्थ्य व्यवस्था

पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा न केवल आपातकालीन चिकित्सा परिवहन को नई दिशा दे रही है, बल्कि यह भी सुनिश्चित कर रही है कि दूरी, संसाधनों की कमी या आर्थिक स्थिति किसी नागरिक के जीवनरक्षक उपचार में बाधा न बने. सिंगरौली निवासी 32 वर्षीय श्रीमती संध्या दुबे के मामले में भी पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा ने जीवनदायिनी भूमिका निभाई. गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं एवं सेप्टीसीमिया की स्थिति उत्पन्न होने पर जिला प्रशासन ने त्वरित संवेदनशीलता दिखाते हुए उन्हें एयरलिफ्ट कर एम्स भोपाल भेजा. ये उदाहरण स्पष्ट करते हैं कि मध्यप्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि अंतिम व्यक्ति तक आधुनिक एवं त्वरित चिकित्सा सुविधा पहुंचाने के लिए संकल्पित है.

एमएसपी को कानूनी गारंटी देने की मांग

जीतू पटवारी ने केंद्र पर साधा निशाना

भोपाल, 17 मई. मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने केंद्र सरकार से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी गारंटी देने की मांग करते हुए आरोप लगाया है कि प्रदेश के किसान आज भी अपनी फसलें घोषित समर्थन मूल्य से कम दाम पर बेचने को मजबूर हैं.

केंद्र सरकार को लिखे खुले पत्र में पटवारी ने खरीफ फसलों के लिए घोषित नई एमएसपी सूची पर सवाल उठाते हुए कहा कि बढ़े हुए समर्थन मूल्य केवल 'कागजों तक सीमित' हैं, जबकि मंडियों और खरीदी केंद्रों पर किसानों को इसका वास्तविक लाभ नहीं मिल रहा. उन्होंने आरोप लगाया कि व्यापारी खुलेआम एमएसपी से कम कीमत पर फसल खरीद रहे हैं और प्रशासन किसानों के शोषण पर 'मूकदर्शक' बना हुआ है. पटवारी ने सरकार को चुनौती देते हुए पूछा कि वह मध्य प्रदेश की किसी एक ऐसी फसल का नाम बताए जिसकी खरीदी वास्तव में घोषित एमएसपी पर हो रही हो.

कांग्रेस नेता ने मंडियों और खरीदी केंद्रों का संयुक्त सर्वे कराने की मांग करते हुए कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो वह स्वयं गांवों और मंडियों का दौरा कर किसानों की स्थिति का आकलन करेंगे.

पटवारी का सुझाव

पटवारी ने सुझाव दिया कि मध्य प्रदेश में एमएसपी को कानूनी अधिकार बनाया जाए, एमएसपी से कम कीमत पर खरीदी को दंडनीय अपराध घोषित किया जाए, मंडियों में कड़ी निगरानी व्यवस्था लागू की जाए तथा रियल टाइम मूल्य निगरानी तंत्र स्थापित किया जाए.

केंद्रीय कृषि मंत्री के गृह राज्य होने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यदि एमएसपी को कानूनी संरक्षण दिया जाए तो मध्य प्रदेश देश के लिए 'नए कृषि मॉडल' के रूप में उभर सकता है.

प्याज से भरी आयशर पलटी, 3 मजदूरों की मौत

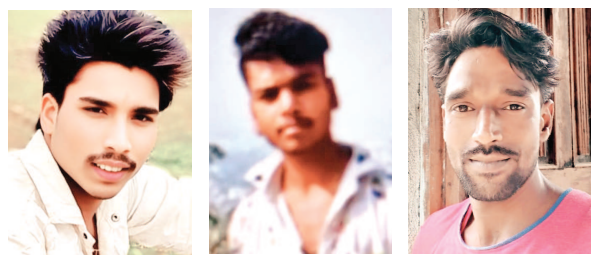

देवास/सोनकच्छ. ग्राम बैराखेड़ी के अंधे मोड़ पर दर्दनाक हादसा हो गया. प्याज से भरी आयशर पलट गई. इसमें 3 मजदूरों की मौत हो गई जबकि दो घायल हैं. पीपलरांवा थाना क्षेत्र के चौबाराधीरा रोड स्थित ग्राम बैराखेड़ी फाटे के समीप रविवार देर रात प्याज से भरी आयशर वाहन एमपी 09 - जीजी- 3681 पास 90 डिग्री के अंधे मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गई. हादसे में पांच मजदूर प्याज की बोरियों के नीचे दब गए. ग्रामीणों और पुलिस ने जेसीबी की मदद से रेस्क्यू कर मजदूरों को बाहर निकाला. उपचार के दौरान ओमप्रकाश मालवीय (23), विजेंदर परमार (26) और आकाश बगानिया (24) निवासी बालोन की मौत हो गई, जबकि लाड़सिंह और अरुण गंभीर घायल हैं। चालक हादसे के बाद फरार हो गया. ग्रामीणों ने बताया कि बैराखेड़ी का यह अंधा मोड़ पहले भी कई हादसों का कारण बन चुका है. उन्होंने यहां स्पीड ब्रेकर, चेतावनी बोर्ड और सुरक्षा रेलिंग लगाने की मांग की है.

शुभारंभ | संघ शिक्षा वर्ग में 369 कार्यकर्ता, ब्यावरा में 200 कार्यकर्ता और बैतूल में 174 कार्यकर्ता हुए शामिल

संघ शिक्षा वर्ग व्यक्तित्व निर्माण का केंद्र : विमल

भोपाल, 17 मई. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्यभारत प्रांत के संघ शिक्षा वर्गों का शुभारंभ शनिवार से हो गया है. शिवपुरी, ब्यावरा और बैतूल में आयोजित इन 15 दिवसीय प्रशिक्षण वर्गों में 31 जिलों के कुल 743 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं. वर्गों का औपचारिक उद्घाटन शनिवार को किया गया.

शिवपुरी स्थित सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय फतेहपुर में आयोजित विद्यार्थी वर्ग को संबोधित करते हुए मध्यभारत प्रांत के प्रांत प्रचारक विमल गुप्ता ने कहा कि संघ शिक्षा वर्ग केवल प्रशिक्षण केंद्र नहीं, बल्कि साधना स्थली हैं, जहां शिक्षार्थी साधक के रूप में शारीरिक, बौद्धिक और व्यवस्थात्मक प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं. उन्होंने कहा कि संघ कार्य व्यक्ति निर्माण का कार्य है और वर्ग में अनुशासित दिनचर्या के माध्यम से आत्मविश्वास, समय प्रबंधन, संवेदना और स्वावलंबन जैसे गुण विकसित होते हैं.

उन्होंने कहा कि संघ शताब्दी वर्ष में कार्य विस्तार और संगठन के दृढ़ीकरण के लिए यह प्रशिक्षण महत्वपूर्ण है. वर्ग में शिक्षार्थी समय प्रबंधन, मानव प्रबंधन, संसाधन प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन और आपदा प्रबंधन जैसे कई व्यवहारिक पहलुओं का भी प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं. ब्यावरा में आयोजित व्यवसायी कार्यकर्ताओं के वर्ग में प्रांत सह-संघचालक डॉ. राजेश सेठी ने कहा कि संघ शिक्षा वर्ग व्यक्ति के कौशल विकास, वैचारिक स्पष्टता और व्यक्तित्व निर्माण का केंद्र है. उन्होंने कहा कि 'राष्ट्र प्रथम' केवल नारा नहीं बल्कि जीवन का मूल भाव होना चाहिए. उन्होंने भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत विश्व को दिशा देने की क्षमता रखता है. वहीं बैतूल स्थित भारत भारती विद्यालय परिसर में आयोजित विशेष वर्ग में प्रांत संघचालक अशोक पांडेय ने कहा कि संघ शिक्षा वर्ग शारीरिक और आध्यात्मिक विकास का माध्यम है. उन्होंने स्वयंसेवकों से कठिन परिस्थितियों में भी साधना और अनुशासन बनाए रखने का आह्वान किया.

संघ की रचना के 31 जिलों के कुल 743 स्वयंसेवक तीनों वर्गों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं. इन वर्गों में शिवपुरी में 369, ब्यावरा में 200 और बैतूल में 174 स्वयंसेवक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं. संघ के अनुसार, प्राथमिक वर्ग का प्रशिक्षण प्राप्त और सक्रिय कार्यकर्ताओं का चयन ही इन वर्गों के लिए किया जाता है.

पेज एक का शेष

राजधानी एक्सप्रेस में आग से 2 कोच जलकर खाक

गार्ड ने तत्काल लोको पायलट को सूचना दी थी, जिसके बाद ट्रेन को इमरजेंसी में रोका गया था. मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया था. घने काले धुएं के बीच यात्रियों ने किसी तरह कोच से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई थी. कई यात्रियों ने घबराहट में कोच से कूदकर खुद को सुरक्षित किया था. आग इतनी भयावह थी कि 2 कोच पूरी तरह जलकर खाक हो गए. **वैन खाई में पलटी:** रेलवे के सी एंड डब्लू (कैरेज एंड वैगन) विभाग की यातायात वैन दुर्घटनास्थल की ओर जाते समय हादसे का शिकार हो गई. बताया जा रहा है कि शामगढ़ और सुवासरा के मध्य तेज रफ्तार वैन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. वैन में सवार सी एंड डब्लू विभाग के 5 से अधिक कर्मचारियों को गंभीर चोटें आई हैं. स्थानीय लोगों और राहत टीम की मदद से सभी घायलों को बाहर निकाला गया. गंभीर रूप से घायल कर्मचारियों को एंबुलेंस के माध्यम से प्राथमिक उपचार के बाद कोटा रेफर किया गया है.

25 मई को 131 हस्तियां होंगी सम्मानित

इसके अलावा समाज सेवा, चिकित्सा, कला और साहित्य जैसे क्षेत्रों में निस्वार्थ भाव से कार्य करने वाले कई अनसंग हीरोज को भी सम्मान सूची में शामिल किया गया है. दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वी.एस. अच्युतानंदन को मरणोपरांत सम्मान देने का फैसला लिया गया है. वहीं गायिका अलका याग्निक, अभिनेता ममूटी और खेल जगत के दिग्गज विजय अमृतराज को भी इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा जाएगा.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60